धर्मवीर भारती (13)

जन्म: धर्मवीर भारती का जन्म सन् 1926 में इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में हुआ था।

प्रमुख कृतियाँ: ठंडा लोहा, कनुप्रिया, सात-गीत वर्ष (कविता संग्रह); बंद गली का आखिरी मकान (कहानी संग्रह); गुनाहों का देवता, सूरज का सातवाँ घोड़ा (उपन्यास); अंधा युग (गीतिनाट्य); कहानी-अनकहनी, मानव मूल्य, पश्यंती और साहित्य, ढेले पर हिमालय (निबंध-संग्रह) आदि उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं।

प्रमुख सम्मान: उन्हें पद्मश्री, व्यास सम्मान और साहित्य के कई अन्य राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

निधन: सन् 1997 में उनका देहावसान हो गया।

साहित्यिक विशेषताएँ: गुनाहों का देवता उपन्यास से लोकप्रिय हुए धर्मवीर भारती की स्वतंत्रता के बाद के साहित्यकारों में एक विशिष्ट स्थान है। उनकी कहानियाँ, कविताएँ, निबंध, उपन्यास, गीतिनाट्य और रिपोर्ताज हिंदी साहित्य की महान उपलब्धियाँ हैं। भारती जी के लेखन की एक विशेषता यह भी है कि घर हर वर्ग और हर उम्र के पाठकों के बीच उनकी अलग-अलग रचनाएँ काफी लोकप्रिय हैं। वे मुख्यत: व्यक्ति स्वातंत्र्य, मानवीय संकट और रोमानी चेतना के रचनाकार हैं। रूमानियत उनकी रचनाओं में संगीत में लय की तरह विद्यमान रहती है। उनके लोकप्रिय उपन्यास सूरज का सातवाँ जोड़ा घर एक हिंदी फिल्म भी बन चुकी है।

Scanned with CamScanner

काले मेघा पानी दे

Q. लोगों ने लड़कों की टोली को मेढक-मंडली नाम किस आधार पर दिया? यह टोली अपने आपको इंदर सेना कहकर क्यों बुलाती थी?

→ लोगों ने लड़कों की इस टोली को उनकी उछलकूद, उनके नग्न स्वरूप शरीर, उनके शोर शराबे और उनकी वजह से गली में होने वाले कीचड़ के कारण 'मेढक-मंडली' का नाम दिया। यह टोली अनावृष्टि दूर करने के लिए घर-घर पानी माँगते हुए आगे बढ़ती थी। उनका तर्क यह होता था कि वे इंद्र देवता के लिए पानी माँग रहे हैं। जब वे वर्षा के देवता इंद्र को इसी रूप से पानी का अर्घ्य देंगे तभी वह प्रसन्न होकर वर्षा करेगा। इसीलिए यह टोली खुद को "इंदरसेना" कहकर बुलाती थी।

Q. जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया?

→ जीजी ने इंदरसेना पर पानी फेंके जाने को सही ठहराया। उनका मानना था कि जो चीज हमारे पास कम है या जिसका पूर्णतया अभाव है, उसका त्याग करना ही दान है। जो चीज मनुष्य प्राप्त करना चाहता है, पहले उसे देगा तभी उसे पाएगा। इसलिए जब इन बच्चों की टोली इस पानी को गली-गली में बोएगी, तभी पानी वाले बादलों की फसल उगेगी। जब हम बीज बनाकर पानी देते हैं। ऋषि मुनियों ने भी दान को सबसे ऊँचा स्थान दिया है।

Scanned with CamScanner

Q. जली है, गुड़धानी है मेघों से पानी के साथ-साथ गुड़धानी की माँग क्यों की जा रही है?

→ मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं में वायु के बाद जल का स्थान होता है। इसलिए जल बरसने के बाद ही अन्न और अनाज पैदा हो सकता है और तभी उसी से गुड़धानी नामक व्यंजन बनाया जा सकता है। इसीलिए बादलों से पानी के साथ-साथ गुड़धानी की माँग भी की जा रही है। गुड़धानी का दूसरा अर्थ प्रसन्नता भी लिया जा सकता है।

Q. गगरी फूटी बैल पियासा इंदर सेना के इस खेलगीत में बैलों के प्यासा रहने की बात क्यों मुखरित हुई है?

→ गगरी फूटी बैल पियासा नामक लोकगीत में बैलों के पियासा रहने की बात इसलिए मुखरित हुई है क्योंकि आषाढ़ का महीना आ गया है और अभी तक बारिश नहीं हुई है। अत: बारिश के अभाव में लोगों के पास पानी का अभाव है। पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों की पानी की कमी के कारण दर्दनाक स्थिति है। इसे ही व्यक्त करने के लिए लेखक ने बैल पियासा शब्द मुखरित किया है।

Q. इंदर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती है? नदियों का भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्त्व है?

→ भारत में नदियाँ धार्मिक और सामाजिक आस्थाओं की प्रतीक हैं। यहाँ उनको जीवन-दायिनी और मोक्षदायिनी माना गया है। उनके बिना जीवन की कल्पना करना भी असंभव है। गंगा नदी से भारतीयों की धार्मिक भावनाएँ जुड़ी